लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक...3.2.2020...... पृष्ठ सं....18...... कॉलम....2-8......

आगामी 10 वर्ष में ग्लोबल इंस्टीट्यूशन का विजन लेकर चली एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मनाया स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में रविवार को स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान एचएयू प्रशासन ने अपने आगामी 10 वर्ष का विजन रखा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि देश में विश्वविद्यालय या कोई शिक्षण संस्थान इसलिए ग्लोबल इंस्टीट्यूशन नहीं बन पाए हैं क्योंकि वह सरकारी ग्रांट पर निर्भर रहे। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे केन्द्रीय राज्य मंत्री डा. संजीव बालियान को कहा कि मंत्री जी एचएयू अब ग्लोबल इंस्टीट्यूशन बनाना चाहता है।

हमें सरकारी धन की मदद भी नहीं चाहिए, बस आप अपने प्रभाव से एचएयू के लिए ग्राउंड तैयार करने में मदद कर दें। हम अपने आप भी विश्व स्तर पर विश्वविद्यालय को खड़ा कर देंगे। अगले 10 वर्ष विवि अपने अर्निंग मोड में काम करेगा। उन्होंने कहा कि एचएयू में पढ़े छात्र आज कई बड़े पदों पर देश में कार्यरत हैं। बिना उनकी मदद के इस विजन को हासिल नहीं किया जा सकता, इसलिए हम एल्युमनाई को एकत्रित कर रहे हैं। इसके लिए एक व्यवस्था बनाई जा रही है। सरकार, वैज्ञानिक, पूर्व छात्रों की मदद से हम आने वाले समय में एचएयू को ग्लोबल इंस्टीट्यूशन के तौर पर खड़ा करेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों ने राजस्थानी, हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डा. संजीव को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह। • जागरण

एचएयू का यह रहेगा विजन

- वीसी ने बताया हमने आस्ट्रेलिया व कनाडा के साथ डुअल डिग्री कोर्स शुरू किए हैं। जिससे यहां के छात्र कुछ समय एचएयू में तो कुछ समय विदेशों में पढ़ सकेंगे।
- विश्वविद्यालय जल्द ही देशभर के किसानों की मदद के लिए डिजिटल प्लेटफार्म पर जानकारियां साझा करेगा।
- विदेशी शिक्षण संस्थानों के साथ अपने रिश्ते बनाने को लेकर विवि को ग्लोबल इंस्टीट्यूशन बनाने में अपने पूर्व छात्रों की मदद लेगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग। • जागरण

- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित खेती को जल्द ही किसानों तक पहुंचाया जाएगा। स्टार्ट अप, अंत्रप्रन्योर्स को बढ़ावा दिया जाएगा।
- एचएयू विश्व की चौथे नम्बर के विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनयूइस, यूएसए के साथ डिजिटल पार्टनर बनने जा रही है।

जब मंत्री बालियान बोले– मेरे पास एचएयू में एक पेड़ के नीचे 15 साल काटने का रिकार्ड

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पशुपालन राज्य मंत्री डा. संजीव बालियान तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर एचएयू के पूर्व छात्र उपस्थित रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह की। इसमें उच्च पदों पर स्थित एचएयू के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। कालेज में लौटे छात्र अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए। मामला इतना बढ़ गया कि एचएयू से पढ़े केंद्रीय राज्य मंत्री संजीय बालियान ने तो कई रिकार्ड भी गिना दिए। जिसे सुनकर सभी ठहाके लगाते दिखे।

केंद्रीय मंत्री ने गिनाए एचएयू के बनाए अजब-गजब रिकार्ड

- आइएएस अमरजीत सिंह मान बोले- मेरे नाम पांच साल तक बोरी दौड़ में प्रथम आने का रिकार्ड रहा है, इसे कोई नहीं तोड़ पाया। यह सुनकर केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कई प्रकार के रिकार्ड गिना दिए।
- मंत्री बोले-यह हमारा मित्र बैठा है, पानू। इसके पास चार साल की डिग्री को 10 साल में करने का रिकार्ड है।
- मंत्री बोले-यह ऑडिटोरियम मे पीछे कुडू साहब बैठे हैं, इनके नाम पांच साल में एक ही जर्सी पहनने का रिकार्ड है।
- मंत्री बोले-एक प्रोफेसर गांधी हैं, आपके यहां इनके नाम छह महीने न नहाने का रिकार्ड है।
- एक नवीन भी हैं, जो पांच साल घूमते रहे, एक शब्द भी नहीं पढ़े, इनके नाम भी रिकार्ड है।
- मंत्री ने कहा-मैंने खुद 15 साल एक पेड़ के नीचे बैठकर गुजार दिए, इसका भी एक रिकार्ड है।

केन्द्रीय मंत्री ने एचएयू में पढ़ाई की यादें की ताजा

- केन्द्रीय मंत्री डा. संजीव ने कहा कि 1986 में फिल्म जाबाज आई, उसे देखने मै चला गया। इसमें घोड़ों के स्टंट थे, मुझे बहुत पसंद आए। मुझे किसी ने बताया कि इसको करने के लिए वेटरनरी डाक्टर होना चाहिए तो मैंने ऐसे वेटरनरी में दाखिला ले लिया। केन्द्रीय मंत्री ने कालेज के दिनों के कई किस्से सुनाए।
- एचएयू की पूर्व छात्र व मौजूदा समय में चीफ विजिलेंस कमिशन में अतिरिक्त सचिव डा. प्रवीन सिंह ने बताया कि जब वे एचएयू में आई तब लगभग 17 वर्ष की होंगी। उन्हें इस विवि के प्रागंण में कदम रखने पर ऐसी भावात्मकता व संवेदनशीलता महसूस होती है जैसे एक बच्चा अपनी माता की गोद में हो। उन्होंने छात्रों का आह्वान कहा कि तकनीकी सयंत्रों का प्रयोग जैसे मोबाइल इत्यादि का आत्यधिक प्रयोग करना, हमें दासता की तरफ धकेलता है। इससे बचना जरूरी है।

एचएयू ने इन पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

- डा. अजय भड़, असिस्टेंट डायरेक्टर, सीन ऑफ क्राइम
- डा. विश्वनाथ, आइएफएस, ओडिशा काडर
- डा. वीपी चहल, सहायक महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
- डा. राजबीर बरार, निदेशक, अटारी
- कर्नल संत कुमार, ओलंपियन एथलीट
- ज्ञान पहलवान, ओलंपियन पहलवान
- राज कुमार गोयल, बिजनेस डायरेक्टर, साउथ एशिया, साइटोजिम लैब, यूएसए
- डा. सूर्या प्रकाश, अधिवक्ता, पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट
- डा. रतन यादव, रीडर, जेनेटिक एवं प्लांट ब्रीडिंग, यूके
- डा. आरएस सोलकी, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग
- उमेश सैनी, अंत्रप्रन्योर

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक....3-2-2020.... पृष्ठ सं.....6..... कॉलम...1-6.....

एचएयू वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर : बाल्यान

एचएयू के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह में पहुंचे केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य राज्य मंत्री

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा गांधी सभागार में स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह में केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री डॉ. संजीव बाल्याण ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की। समारोह से पूर्व मुख्य अतिथि व एचएयू के पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का भ्रमण करवाया व विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया।

इस मौके पर डॉ. संजीव बाल्याण ने बताया कि भारत वर्ष में एचएयू का स्थान देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में रहा है और अब यह वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर है। व्यक्तिगत रूप से मुझे शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ राजनीतिक आधार की नीव भी इसी संस्थान से मिली है।

एचएयू के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बाल्याण को स्मृतिचिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

एचएयू के स्थापना दिवस पर उपस्थित स्टाफ सदस्य व अन्य। - अमर उजाला

इस संस्थान के पूर्व छात्र विश्व भर के देशों में उच्चतम पदों पर अपनी सेवाएं दे रहें हैं, जिससे हमें बहुत गर्व महसूस होता है। उन्होंने अपने छात्र जीवन के विचार भी साझा किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय विश्व की चौथे नंबर के विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनयूइस, यूएसए के साथ डिजिटल पार्टनर बनने जा रहा है। उन्होंने बताया विवि ने अब तक 43 पेटेंट दायर किए हैं, जिनमें से 17 पेटेंट दिए जा चुके हैं। इसके अलावा विभिन्न फसलों की 243 किस्मों को जारी किया है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर 111 किस्में और राज्य स्तर पर 132 किस्में शामिल हैं। अपर सचिव, मुख्य सतर्कता आयोग डॉ. परवीन सिंह ने बताया कि मुझे इस विश्वविद्यालय के प्रागंण में कदम रखने पर ऐसी भावनात्मक व संवेदनशीलता महसूस होती है जैसे एक बच्चा अपनी माता की गोद में हो। आईएएसव प्रशासक एचएसवीपी अमरजीत मान ने कहा कि विश्वविद्यालय को एक किस्म विकसित करने में लगभग 10 वर्ष लगते है जबकि विश्वविद्यालय ने 243 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है इससे विश्वविद्यालय ने लगभग 2430 वर्षों का कार्य 50 वर्षों में ही कर दिया है। इस अवसर पर विवि के पूर्व छात्र रहे सीआईसी के एडी डॉ. अजय भड़, आईएफएस विश्वनाथ, एसडीजी आईसीएआर डॉ. वीपी चहल, निदेशक अटारी डॉ. राजबीर बरार, निदेशक, अटारी, कर्नल संत कुमार, ओलंपियन ज्ञान पहलवान, राजकुमार गोयल, डॉ. सूर्या प्रकाश, डॉ. रतन यादव, डॉ. आरएस सोलंकी, देवेंद्र दहिया, व उमेश सैनी को सम्मानित किया गया। निदेशक, पशुपालन, पंजाब सरकार, डॉ. इंद्रजीत सिंह, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ. बी.आर. कंबोज, निदेशक छात्र कल्याण, डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, वैज्ञानिक, कर्मचारी, छात्र व अन्य उपस्थित थें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक...3.2.2020... पृष्ठ सं....14.... कॉलम...2-6...

हकृवि के गठन को 50 वर्ष पूरे, स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

हकृवि का नाम देश के टॉप संस्थानों में अब विवि होगा यूनिवर्सल : बालियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸। हिसार

देशभर में हकृवि का स्थान देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में रहा है। अब यह वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर है। यह बात पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान ने हकृवि के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की।

इस अवसर पर डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुझे शैक्षणिक ज्ञान के साथ राजनीतिक आधार की नींव भी इसी संस्थान से मिली है। हकृवि के पूर्व छात्र विश्वभर के देशों में उच्चतम पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समारोह में संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हकृवि विश्व की चौथे नंबर के विवि यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनयूइस, यूएसए के साथ डिजिटल पार्टनर बनने जा रही है। विवि विश्वके अन्य अग्रणीय विश्वविद्यालयों के साथ ड्यूल डिग्री प्रोग्राम के तहत विश्वविद्यालय छात्रों को विदेशों में पढ़ने तथा शोध करने का मौका लगातार दे रहा है।

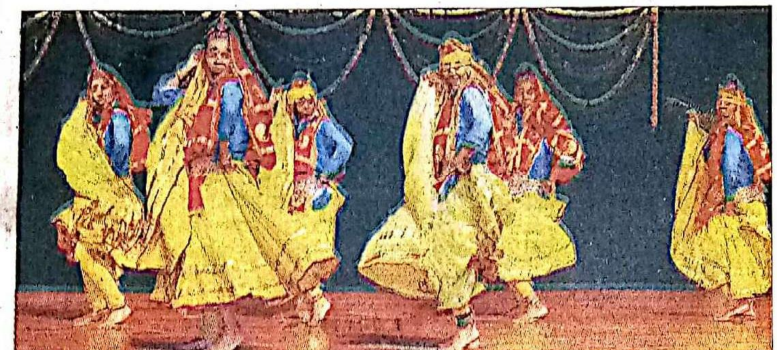

हिसार। हकृवि के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस पर इंदिरा गांधी आडिटोरियम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गूगल से रोटी तो नहीं हो सकती डाउनलोड

एचएसवीपी के प्रशासक अमरजीत मान ने कहा कि हकृवि की महत्ता कभी भी कम नहीं हो सकती है। आधुनिक युग में सब कुछ गुगल से डाउनलोड किया जा सकता है परंतु रोटी नहीं हो सकती है। विवि को एक किस्म विकसित करने में लगभग 10 वर्ष लगते हैं, जबकि विवि ने 243 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है। इससे विवि ने लगभग 2430 वर्षों का कार्य 50 वर्षों में ही पूरा कर दिखाया है। इस अवसर पर अपर सचिव, मुख्य सतर्कता आयोग डॉ. परवीन सिंह, पंजाब पशुपालन के निदेशक डा. इंद्रजीत सिंह, एचएयू के पूर्व छात्र डॉ. अजय भड़, एडी, सीआईसी, श्री विश्वनाथ, आईएफएस, डॉ. वीपी चहल, एडीजी, आईसीएआर, डॉ. राजबीर बरार, निदेशक, अटारी, कर्नल संत कुमार, ओलंपियन ज्ञान पहलवान, राज कुमार गोयल, डॉ. सूर्या प्रकाश, डॉ. रतन यादव, डॉ. आरएस सोलंकी, देवेंद्र दहिया, उमेश सैनी, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज को सम्मानित किया गया।

हकृवि को मिले 17 पेटेंट 243 किस्में विकसित

हकृवि ने अब तक 43 पेटेंट दायर किए हैं, जिनमें से 17 पेटेंट दिए जा चुके हैं। इसका नया डिजाइन किया गया ट्रेड मार्क भी पंजीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय ने अब तक विभिन्न फसलों की 243 किस्मों को जारी किया है, जिसमें राष्ट्रीयस्तर पर 111 किस्में और राज्य स्तर पर 132 किस्में शामिल हैं। 52 विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकियों के उत्पादन और विपणन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न उद्योगों के साथ कुल 527 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

हिसार। हकृवि इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान व अन्य। फोटो : हरिभूमि

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक...3...2...2020.... पृष्ठ सं....3.... कॉलम...2-7....

समारोह • एचएयू के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह में पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव, किताबों की प्रदर्शनी भी लगाई

ऑनलाइन ही छात्रों और किसानों की समस्याओं का होगा समाधान

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के पचास साल पूरे होने पर इंदिरा गांधी सभागार में रविवार को स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन के केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान ने कहा कि देश में एचएयू का स्थान सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में एक है । अब यह वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर है। संस्थान के पूर्व छात्र विश्वभर के देशों में उच्चतम पदों पर अपनी सेवाएं दे रहें हैं । उन्होंने पूर्व छात्रों से अपील की कि विश्वविद्यालय का उनको समर्थ, सक्षम व सफल इंसान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसलिए उनका भी कर्तव्य बनता है कि वह भी विश्वविद्यालय के उत्थान में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभाएं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के विचार भी सांझा किए। इससे पूर्व विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समा बांधा। साथी किताबों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके अलावा पूर्व छात्रों एवं अन्य को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा है। अब विश्वविद्यालय को वैश्विक संस्थान बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विश्व के अन्य अग्रणीय विश्वविद्यालयों के साथ डयूअल डिग्री प्रोग्राम के तहत विश्वविद्यालय छात्रों को विदेशों में पढने व शोध करने का मौका लगातार दे रहा हैं। इससे विश्व विद्यालय में जहां नई रिसर्च की जा सकेगी। वहीं आनॅलाइन भी अत्याधुनिक तकनीकों का आदान प्रदान होगा।

राज्यमंत्री संजीव बालियान।

एक क्लिक पर मिलेगी जानकारी

एचएयू के कुलपति डा. केपी सिंह ने बताया कि जल्द ही एचएयू की साइट पर क्लिक करते ही हरियाणा के अलावा यूपी, दिल्ली ओर अन्य राज्यों के किसानों को विभिन्न प्रकार की किस्मों से लेकर स्टार्टअप के बारे में जानकारी मिल सकेगी। उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करने पड़ेगा।

समारोह में इन्हें किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय में प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्रों जिसमें डॉ. अजय , सीआईसी के एडी विश्वनाथ, आईएफएस डॉ. वी.पी. चहल, आईसीएआर के एडीजी डॉ. राजबीर बरार, निदेशक अटारी कर्नल संत कुमार, ओलंपियन ज्ञान पहलवान, राज कुमार गोयल, डॉ. सूर्या प्रकाश, डॉ. रतन यादव, डॉ. आर.एस. सोलंकी, देवेंद्र दहिया, व उमेश सैनी को सम्मानित किया गया। निदेशक पशुपालन पंजाब सरकार डॉ. इंद्रजीत सिंह, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ. बी.आर. कम्बोज, निदेशक छात्र कल्याण, डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मौजूद रहे।

रोटी गूगल से डाउनलोड नहीं कर सकते

आईएएस प्रशासक एचएसवीपी हरियाणा सरकार अमरजीत सिंह मान ने कहा कि हकृवि की महत्ता कभी भी कम नहीं हो सकती है क्योंकि आधुनिक युग में सबकुछ गूगल से डाउनलोड किया जा सकता है, रोटी नही हो सकती। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने की। समारोह से पूर्व मुख्य अतिथि व प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का भ्रमण करवाया व विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक ट्रिब्यून......
दिनांक...3.2.2020...... पृष्ठ सं.......6....... कॉलम.....6-8......

धूमधाम से मनाया स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस

वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर हकृवि : डॉ. बालियान

हिसार में रविवार को समारोह में दीप प्रज्वलित करते केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान, वीसी प्रो. केपी सिंह व अन्य। -निस

हिसार, 2 फरवरी (निस)

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि हरियाणा का चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर है। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र उपस्थित थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। समारोह से पहले केन्द्रीय मंत्री व प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का भ्रमण करवाया व विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया। डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुझे शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ राजनीतिक आधार की नींव भी इसी संस्थान से मिली है। इस संस्थान के पूर्व छात्र विश्वभर में उच्चतम पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा है। प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक 43 पेटेंट दायर किए हैं, जिनमें से 17 पेटेंट दिए जा चुके हैं। इसका नया डिजाइन किया गया, ट्रेड मार्क भी पंजीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय ने अब तक विभिन्न फसलों की 243 किस्मों को जारी किया है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर 111 किस्में और राज्य स्तर पर 132 किस्में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 52 विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकियों के उत्पादन और विपणन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न उद्योगों के साथ कुल 527 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। प्रशासक एचएसवीपी अमरजीत मान ने कहा कि विश्वविद्यालय को एक किस्म विकसित करने में लगभग 10 वर्ष लगते हैं, जबकि विश्वविद्यालय 243 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है, इससे विश्वविद्यालय ने लगभग 243 वर्षों का कार्य 50 वर्षों में ही कर दिया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.........पंजाब केसरी.........
दिनांक....3.2.2020.... पृष्ठ सं.....4..... कॉलम....1-4....

हकृवि वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर : डा. बालियान

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह रविवार को मनाया गया। इस समारोह के मुख्यातिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री डा. संजीव बालियान थे। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने की। समारोह से पूर्व मुख्य अतिथि व प्रमुख एच.ए.यू. के पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का भ्रमण करवाया व विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया। डा. संजीव बालियान ने बताया कि भारत वर्ष में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का स्थान देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में रहा है। अब यह वैश्विक संस्थान बनने की ओर अग्रसर है। व्यक्तिगत रूप से मुझे शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ राजनीतिक आधार की नीव भी इसी संस्थान से मिली है। इस संस्थान के पूर्व छात्र विश्वभर के देशों में उच्चतम पदों पर अपनी सेवाएं दे रहें हैं जिससे हमें बहुत गर्व महसूस होता है। उन्होंने पूर्व छात्रों से अपील की कि विश्वविद्यालय का उनको समर्थ, सक्षम व सफल इंसान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसलिए उनका भी कर्तव्य बनता है कि वह भी विश्वविद्यालय के उत्थान में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभाएं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के विचार भी सांझा किए।

विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण करते मुख्य अतिथि।

ये बोले वी.सी.

कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा है अब हम विश्वविद्यालय को वैश्विक संस्थान बनाने के लिए कृत संकल्प है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विश्व के अन्य अग्रणीय विश्वविद्यालयों के साथ ड्यूअल डिग्री प्रोग्राम के तहत विश्वविद्यालय छात्रों को विदेशों में पढ़ने व शोध करने का मौका लगातार दे रहा हैं। हमारा विश्वविद्यालय विश्व की चौथे नम्बर के विश्वविद्यालय, युनिवर्सिटी ऑफ इलीनयूइस, यू.एस.ए. के साथ डिजिटल पार्टनर बनने जा रही है। प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक 43 पेटैंट दायर किए हैं, जिनमें से 17 पेटैंट दिए जा चुके हैं। इसका नया डिज़ाइन किया गया ट्रेड मार्क भी पंजीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय ने अब तक विभिन्न फसलों की 243 किस्मों को जारी किया है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर 111 किस्में और राज्य स्तर पर 132 किस्में शामिल हैं। 52 विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकियों के उत्पादन और विपणन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न उद्योगों के साथ कुल 527 एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए गए। आई.ए.एस. अधिकारी प्रशासक एच.एस.वी.पी. अमरजीत मान ने कहा कि हकृवि की महत्ता कभी भी कम नही हो सकती है। .

ये पूर्व छात्र रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में प्रमुख एच.ए.य. के पूर्व छात्र डा. अजय, सी.आई.सी. श्री विश्वनाथ, आई.एफ.एस. डा. वी.पी. चहल, ए.डी.जी. आई.सी.ए.आर., डा. राजबीर बरार, निदेशक अटारी, कर्नल संत कुमार, ओलिम्पियन ज्ञान पहलवान, राज कुमार गोयल, डा. सूर्या प्रकाश, डा. रतन यादव, डा. आर.एस. सोलंकी, देवेंद्र दहिया, व उमेश सैनी मुख्य रूप से मौजूद थे। निदेशक पशुपालन पंजाब सरकार डा. इंद्रजीत सिंह, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डा. बी.आर. कम्बोज, निदेशक छात्र कल्याण, डा. देवेंद्र सिंह दहिया, वैज्ञानिक, कर्मचारी, छात्र व अन्य उपस्थित थें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 3.2.2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-8

सिटी भास्कर

दामण की फटकार, राजस्थानी घूमर और भांगड़े की मची धूम

एचएयू का गोल्डन जुबली फाउंडेशन-डे सेलिब्रेशन

सिटी रिपोर्टर • दामण की फटकार, राजस्थानी घूमर और भांगड़े की धूम कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में। दरअसल एचएयू के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, भारत सरकार, डॉ. संजीव बालियान थे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह की। समारोह से पूर्व मुख्य अतिथि व प्रमुख एचएयू के पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का भ्रमण करवाया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया।

गानों ने भरा देश प्रेम का रंग – देश प्रेम से ओत-प्रोत गानों ने भरा देशभक्ति का रंग जननी जन्मभूमि स्वर्ग से महान है...जैसे देशभक्ति से ओत-प्रोत गानों ने सभागार में मौजूद लोगों के दिलों में देशभक्ति का रंग भरा। इसके साथ ही ये कदम बढ़ते रहे तो जिंदगी, गर रुक गए तो फिर यहां कुछ भी नहीं...जैसे गानों ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

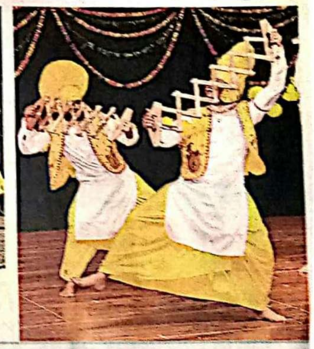

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक....3. 2. 2020.... पृष्ठ सं....17.... कॉलम....1-3....

स्थापना दिवस पर दिखी संस्कृति की झलक

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर रविवार को विश्वविद्यालय के आइजी सभागार में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं। • जागरण

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......नभ छोर......
दिनांक 2.2.2020 पृष्ठ सं 1 कॉलम 1-4

हिसार. हकृवि स्थापना दिवस के अवसर पर आज आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री संजीव बाल्यान।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक...3.2.2020...... पृष्ठ सं....13...... कॉलम....7.8....

पंजाब में 30 वर्ष बाद सुधरेगी सुअरों की नस्ल : डा. इंद्रजीत

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का रविवार को स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें एचएयू में पढ़कर देश में विभिन्न संस्थानों में बड़े पदों पर कार्यरत एल्युमनाई को सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में पंजाब से पशुपालन विभाग के डायरेक्टर डा. इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि पंजाब में सूअर पालन में करीब 30 वर्ष बाद नस्ल सुधार कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। सुअरों की नस्ल सुधारने के लिए विदेशों से तीन नस्लों को आयात करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें लार्ज व्हाइट योर्कसेर, लैंडरेस, ड्यूरॉक नस्ल शामिल हैं।

इसके साथ ही घरेलू उपचार से पशुओं की बीमारियों के उपचार के लिए 40 पशु चिकित्सकों को बेंगलुरु में ट्रेनिंग भी दिलाएंगे। इसके लिए बजट पास हो गया है। इसके साथ ही 15 बार बकरियों के दूध की प्रतियोगिता हुई, जिसमें अब तक सात हजार पशु भाग ले चुके हैं और ढ़ाई हजार 4 लीटर तक दूध देने वाली बकरियां भी मिल गई हैं।

दुधारू पशुओं की प्रतियोगिता में 2 करोड़ का मिलेगा पुरस्कार : पंजाब में 27 फरवरी से राष्ट्रीय स्तर पर दुधारू पशुओं की प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें इस बार पुरस्कार राशि बढ़ाकर दो करोड़ रुपये कर दी गई है। इसमें एक करोड़ से अधिक इनाम दुग्ध उत्पादन की श्रेणी में दिया जाता है। इसमें देशभर से पशुपालक भाग लेते हैं।

विशेष

- बछिया पैदा करने के लिए बनेगी सीमन शार्टिंग लैब
- 27 से शुरू होगी नेशनल लाइव स्टॉक चैंपियनशिप

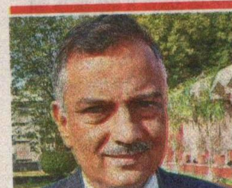

डा. इंद्रजीत सिंह। • जागरण

पंजाब में सीमन के रेट घटाए

डायरेक्टर डा. इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पंजाब में पशुपालन विभाग नाभा में 50 करोड़ रुपये से सीमन लैब स्थापित करने जा रहा है, जहां ऐसा सीमन मिलेगा जिससे सिर्फ बछिया ही जन्म लें। इसके साथ ही पंजाब में सीमन के रेट घटा दिए है। जो सीमन पहले हजार रुपये का मिलता था, वह अब 300 रुपये, इंपोर्टेड सीमन 200 से घटाकर 50 रुपये कर दिया है। इससे नस्ल सुधार के साथ ही दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........
दिनांक ...3. 2. 2020... पृष्ठ सं ...4... कॉलम ...1-2...

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. कृष्ण यादव

वसंत कालीन फसल को मिर्च की पौध के खेत में करें रोपाई

वसंतकालीन फसल के लिए मिर्च की पौध की खेत में रोपाई करें। कतारों की दूरी 45 से 60 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 30 से 45 सेंटीमीटर रखें। लंबी किस्मों में एनपी 46 - ए या पूसा ज्वाला, पंत सी - 1, हिसार शक्ति या हिसार विजय को इस्तेमाल में लाएं। वहीं शिमला मिर्च में कैलिफोर्निया वंडर नाम किस्म को ही इस्तेमाल में लाएं। खेत तैयार करते समय प्रति एकड़ की दर से खाद व उर्वरक का इस्तेमाल करें। 10 टन गोबर की सड़ी खाद, 25 किलोग्राम नाइट्रोजन (55 किलोग्राम यूरिया खाद), 12 किलोग्राम फास्फोरस (72 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) और 12 किलोग्राम पोटाश (20 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश) का प्रयोग करें।

डॉ. कृष्ण यादव हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

पौधरोपण के समय आधा नाइट्रोजन व पूरी फास्फोरस व पोटाश दें। गोबर की खाद को जुताई करते समय, पौधरोपण के लगभग तीन सप्ताह पहले खेत में भली प्रकार बिखराकर जुताई करें। वहीं फूल गोभी, पत्ता गोभी व गांठ गोभी की तैयार फसल के फूलों व गांठों को उचित समय पर काट कर बाजार भेजें। इस समय अल (माहू/चेपा) व सूंडियों का आक्रमण होता है। इससे फसल को बचाने के लिए 400 ग्राम मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ दस दिन के अंतर पर छिड़कें। डायमंड बैकमॉथ सूंडी के लिए 400 ग्राम बैसिलस थूरिंजिएंसिस (बायोआस्प) या 300 मिलीलीटर डायजिनान 20 ईसी या 60 मिलीलीटर डाईक्लोरवास 76 ईसी को छिड़काव भी कर सकते हैं। कटाई से एक सप्ताह पहले कीटनाशक का छिड़का बंद कर दें।

सवाल भेजें (वाट्सअप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 3. 2. 2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-4

रात के तापमान में मामूली बढ़त, अभी भी सामान्य से पांच डिग्री नीचे

अवकाश होने व धूप खिलने के बाद टाउन पार्क में झूला झूलते बच्चे। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। शहर के दिन के तापमान में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और यह लगातार दूसरे दिन भी सामान्य से चार डिग्री नीचे रहा। वहीं रात के तापमान में शनिवार के मुकाबले मामूली बढ़ोतरी हुई, लेकिन बावजूद इसके यह सामान्य से पांच डिग्री कम रहा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि चार फरवरी तक मौसम खुश्क रहेगा। इस दौरान उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी व रात के तापमान में गिरावट आएगी। इसके अलावा तड़के व देर रात धुंध आने की संभावना है।

18.5 डिग्री अधिकतम तापमान तो तीन डिग्री रहा न्यूनतम तापमान

रविवार के दिन की शुरुआत धुंध से हुई। इस दौरान दृश्यता काफी कम रही। स्थिति यह रही कि वाहन चालकों को वाहनों की लाइट दिन के समय में भी ऑन रखनी पड़ी। सुबह करीब दस बजे मौसम साफ हुआ और धूप निकली। अवकाश होने के कारण लोगों ने दिनभर धूप का आनंद उठाया। इस दौरान शहर के पार्कों में भी अच्छी चहल-पहल रही। हालांकि दिन ढलने के साथ ही ठंड बढ़ गई। सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी की मात्रा 100 प्रतिशत थी, जो शाम साढ़े पांच बजे घटकर 48 प्रतिशत पहुंच गई।

तापमान की स्थिति

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
02 फरवरी	18.5	3.0
01 फरवरी	18.5	2.8
31 जनवरी	17.2	3.3
30 जनवरी	18.5	5.2
29 जनवरी	19.2	4.1
28 जनवरी	19.9	10.4
27 जनवरी	17.5	7.2

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: पाठक पक्ष
दिनांक: 2. 2. 2020 पृष्ठ सं: 3 कॉलम: 7-8

रूपित गोयल ने जीती भाषण प्रतियोगिता

हिसार, 2 फरवरी (निस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष को मनाने के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार से रूपित गोयल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी से नितिका श्योराण और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल से अंकुश ने इंग्लिश डिक्लेमेशन में क्रमशः पहला, दूसरा और प्रशंसा पुरस्कार जीता। हिंदी भाषण में शिव कुमार, डिंपल और इंदू, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल क्रमशः प्रथम, द्वितीय और प्रशंसा पुरस्कार के विजेता रहे। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से छात्रों के संचार कौशल में सुधार होता है और उनमें आत्मविश्वास आता है। उन्होंने छात्रों से अभिनव विचारों को क्रियान्वित करने और विभिन्न मंचों पर अपने विचारों को प्रस्तुत करने का भी आह्वान किया।